# यू0पी0 कोआपरेटिव फेडरेशन लि0
# संक्षिप्त टिप्पणी

वर्ष 1943 में केवल **30** व्यक्तियों के कार्यदल एवं रू0 13,600 की प्रारम्भिक पूॅजी से व्यवसाय का कार्य प्रारम्भ करते हुए वर्तमान में संघ के पास 2289 व्यक्तियों का कार्यदल व रू0 79.59 करोड़ की अशपूॅजी है। पी0सी0एफ0 का वित्तीय वर्ष 2017–18 का टर्नओवर रू0 5056.25 करोड़ था तथा वित्तीय वर्ष 2018–19 में **वार्षिक लक्ष्य 8002.13** करोड के विरुद्व **माह** जून, 2018 तक रू0 4405.**86** करोड़ की वर्तमान वित्तीय वर्ष में उपलब्धि है।

प्रमुख कार्य

1– उर्वरक वितरण
2– बीज
3– कृषक सेवा केन्द्र
4– वेयरहाउसिंग
5– मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत (गेहूॅ एवं धान की खरीद)
6– प्रिन्टिग प्रेस
7– कोयला आपूर्ति
8– चीनी की आपूर्ति

पी0सी0एफ0 द्वारा किये जा रहे व्यवसाय मुख्यतः कृषको एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगो के लिये किये जाते है। पी0सी0एफ0 द्वारा उर्वरकों का भण्डारण एवं बिक्री पूरे प्रदेश में फैले हुए 7000 सहकारी समितियों व 483 कृषक सेवा केन्द्रों के माध्यम से किसानों को की जाती है।

संगठनात्मक संरचना

| | | |
|---|---|---|
| मुख्यालय | : | 01 |
| क्षेत्रीय कार्यालय | : | **18** |
| जनपद कार्यालय | : | **75** |
| विपणन शाखायें– प्रदेश के बाहर स्थित शाखायें | : | **04**(मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली एवं धनबाद) |
| कृषक सेवा केन्द्र | : | **426** |
| गोदाम | : | **1548** |
| प्रिटिंग प्रेस | : | **01** (लखनऊ) |

पी0सी0एफ0 मुख्यतः अधोलिखित क्षेत्रों में अपनी सेवायें प्रदान कर रही हैं :–

विगत तीन वर्षों में पी0सी0एफ0 द्वारा किए गए व्यवसायों की उपलब्धि अधोलिखित है :–

**(धनराशि– करोड़ रुपये में)**

| **वर्ष** | **वार्षिक लक्ष्य** | **व्यावसायिक उपलब्धि** |
|---|---|---|
| 2016–2017 | 8555.71 | 3993.17 |
| 2017–2018 | 8185.89 | 5056.25 |
| 2018–2019 | 9091.29 | 4405.86 **( जून, 2018 तक)** |

## मुख्य उपलब्धियॉ

**1– उर्वरक :–**

वर्तमान उर्वरक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत उर्वरकों के भण्डारण, विक्रय केन्द्रों तक उर्वरकों का परिवहन, समितियों से गुड फार पेमेन्ट के चेकों का कलेक्शन एवं उर्वरक आपूर्तिकर्ताओं को धन प्रेषण के कार्य पी0सी0एफ0 द्वारा किये जाते हैं।

- प्रदेश में उर्वरक क्रय एवं वितरण का कार्य पी0सी0एफ0 द्वारा किया जा रहा है। सामान्य योजना के अन्तर्गत पी0सी0एफ0 द्वारा प्रदायकर्ता खाते की उर्वरकों का परिवहन एवं भण्डारण का कार्य किया जाता है।

**(अ) हैण्डलिंग :–**

**(मात्रा–लाख मै0टन, धनराशि–करोड़ रूपये में)**

| वर्ष | वार्षिक लक्ष्य | | उपलब्धि | |
|---|---|---|---|---|
| | मात्रा | धनराशि | मात्रा | धनराशि |
| 2016–2017 | 51.50 | 345.75 | 53.77 | 362.02 |
| 2017–2018 | 51.50 | 345.75 | 43.57 | 315.01 |
| 2018–2019 | 51.50 | 371.50 | 10.97 | 79.31 **(जून, 2018 तक)** |

**(ब) व्यवसाय (प्रीपोजशनिंग योजनान्तर्गत) :–**

**(मात्रा–लाख मै0टन, धनराशि–करोड़ रूपये में)**

| वर्ष | वार्षिक लक्ष्य | | उपलब्धि | |
|---|---|---|---|---|
| | मात्रा | धनराशि | मात्रा | धनराशि |
| 2016–2017 | 11.00 | 1572.60 | 8.05 | 1269.01 |
| 2017–2018 | 9.00 | 1140.80 | 2.87 | 247.62 |
| 2018–2019 | 9.00 | 1174.91 | 0 | 0 |

**2– बीजः–**

पी0सी0एफ0 द्वारा सहकारी समितियों को उनकी मॉग के अनुसार पी0सी0एफ0 के पंजीकृत बीज प्रदायकर्ताओं, कृभको एवं इफ्को आदि से प्रमाणित उन्नतिशील बीजों की आपूर्ति शासन द्वारा उपलब्ध कराये गये अनुदान को प्रदान करते हुए सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को की जाती है। विगत वर्षों में बीज वितरण की स्थिति अधोलिखित हैं :–

**(मात्रा–कु0 में धनराशि–करोड़ रु0 में)**

| वर्ष | वार्षिक लक्ष्य | | वितरण | |
|---|---|---|---|---|
| | मात्रा | धनराशि | मात्रा | धनराशि |
| 2016–2017 | 4,16,000 | 124.88 | 1,07,541 | 33.78 |
| 2017–2018 | 2,16,000 | 67.20 | 73,998 | 23.18 |
| 2018–2019 | 1,12,000 | 34.75 | 0 | 0 **( जून, 2018 तक)** |

**3–कृषक सेवा केन्द्रः–**

संघ द्वारा अपने गोदामों/शीतगृहों एवं प्रदेश में प्रमुख स्थलों पर 426 कृषक सेवा केन्द्र स्थापित किये गये हैं जिनके माध्यम से कृषकों को उर्वरक बीज, रसायन, यन्त्र आदि कृषि निवेशों का वितरण किया जा रहा है। गत वर्षों में लक्ष्य एवं उपलब्धि की स्थिति अधोलिखित हैः–

**(धनराशि– करोड़ रुपये में)**

| वर्ष | वार्षिक लक्ष्य | उपलब्धि | अभियुक्ति |
|---|---|---|---|
| 2016–2017 | 757.00 | 258.22 | |
| 2017–2018 | 615.00 | 239.28 | |
| 2018–2019 | 530.00 | 9.41 **(जून, 2018 तक)** | वर्तमान में 426 कृषक सेवा केन्द्र |

**4–मूल्य समर्थन योजना**

भारत सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर जिला अधिकारी द्वारा चयनित सहकारी समितियों एवं पीसीएफ कृषक सेवा केन्द्रों को क्रय केन्द्र के रूप में क्रियाशील कर सीधे कृषकों से गेहूँ एवं धान की खरीद कर भारतीय खाद्य निगम/खाद्य विभाग को गेहूँ एवं चावल की आपूर्ति की जाती है। गत वर्षों के लक्ष्य एवं उपलब्धि अधोलिखित है :–

**(अ) गेहूँखरीदः–** **(मात्रा– मै0टन में, धनराशि– करोड़ रुपये में)**

| वर्ष | वार्षिक लक्ष्य | | उपलब्धि | |
|---|---|---|---|---|
| | मात्रा | धनराशि | मात्रा | धनराशि |
| 2016–2017 | 17,25,000 | 2630.62 | 3,51,079 | 535.39 |
| 2017–2018 | 24,00,000 | 3900.00 | 17,68,652 | 2874.06 |
| 2018–2019 | 24,00,000 | 4164.00 | 24,82,171 | 4306.57 ( जून, 2018 तक) |

**(ब) धान खरीद :–** **(मात्रा– मै0 टन में, धनराशि– करोड़ रुपये में)**

| वर्ष | वार्षिक लक्ष्य | | उपलब्धि | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | मात्रा | धनराशि | मात्रा | धनराशि | अभियुक्ति |
| 2016–2017 | 9.00,000 | 1269.00 | 1,75,617 | 258.16 | |
| 2017–2018 | 10.00,000 | 1470.00 | 8,51,580 | 1322.08 | |
| 2018–2019 | 13.00,000 | 2119.00 | 0 | 0 | |

**5– उपभोक्ता वस्तुओं का वितरण**

(अ) लेवीचीनी/चीनी :–

पी0सी0एफ0 द्वारा वर्ष **1981** से विभिन्न चीनी मिलों से लेवीचीनी का उठान शर्करा निदेशालय, भारत सरकार के रिलीज आर्डर के अनुसार सुनिश्चित कर इसे शासन द्वारा निर्धारित नवीन व्यवस्था के अन्तर्गत चीनी मिलों से सीधे खाद्य विभाग के ब्लाक स्तरीय गोदामों में भण्डारित किया जाता है, जहाँ से खाद्य विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत चीनी सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों को निर्गत की जाती है। भारत सरकार द्वारा माह जून, 2013 से चीनी मिलों के वर्ष 2012–13 उत्पादन पर लेवी देयता समाप्त कर दिये जाने के दृष्टिगत प्रमुख सचिव, खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0 शासन के पत्र संख्याः 534/ 29–7–13–चीनी–02/2013 दिनांकः 05 जून, 2013 में नई परिवर्तित व्यवस्था के अन्तर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली हेतु सहकारी चीनी मिलों से चीनी उठान कर खाद्य विभाग/आवश्यक वस्तु निगम के ब्लाक स्तरीय पीडीएस गोदामों तक पहुँचाने का कार्य पी0सी0एफ0 द्वारा किया जा रहा है। वर्षवार विवरण की स्थिति अधोलिखित है :–

**(मात्रा–मै0टन में, धनराशि–करोड़ रु0 में)**

| वर्ष | वार्षिक लक्ष्य | | प्रेषण | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | मात्रा | धनराशि | मात्रा | धनराशि | अभियुक्ति |
| 2016—2017 | 4,11,216 | 1314.00 | **3,76,707** | **1223.87** | |
| 2017—2018 | — | — | — | — | **चीनी का कार्य बन्द हो गया है।** |
| 2018—2019 | — | — | — | — | **चीनी का कार्य बन्द हो गया है।** |

**(ब) कोयला का वितरणः—**

**कोल इण्डिया लि0** की इकाइयों द्वारा **ई—आक्सन एवं सब्सिडी** के माध्यम से **नॉन कोर सेक्टर** को **कोयला** उपलब्ध कराया जाता है। इस व्यवसाय के लिये धनबाद एवं कोलकाता में पी0सी0एफ0 के कार्यालय स्थापित हैं। विभिन्न वर्षों में वितरण की स्थिति अधोलिखित है :—

**(मात्रा—मै0टन में, धनराशि— करोड़ रु0 में)**

| वर्ष | वार्षिक लक्ष्य | | वितरण | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | मात्रा | धनराशि | मात्रा | धनराशि | अभियुक्ति |
| 2016—2017 | 10,00,000 | 500.00 | 23,050 | 7.98 | |
| 2017—2018 | 10,00,000 | 600.00 | 15,628 | 7.70 | कोयला समन्वयक द्वारा समय से कार्य सम्पादित नही किया गया। |
| 2018—2019 | 10,00,000 | 650.00 | 12,037 | 4.14 **( जून, 2018 तक)** | |

**6—संस्थान :— प्रिंटिंग प्रेस, लखनऊ :—**

वर्ष 1958 में स्थापित इस इकाई में सहकारी समितियों, शीर्षस्थ संस्थाओं, सार्वजनिक निगमों आदि की स्टेशनरी मुद्रित की जाती है। गत वर्षों में किये गये व्यवसाय का विवरण अधोलिखित है :—

**(धनराशि— करोड़ रु0 में)**

| वर्ष | वार्षिक लक्ष्य | उपलब्धि |
|---|---|---|
| 2016—2017 | 10.90 | 2.75 |
| 2017—2018 | 10.90 | 1.82 |
| 2018—2019 | 10.90 | 0.31 **( जून, 2018 तक)** |

**7—शीतगृह**

पी0सी0एफ0 द्वारा 13 शीतगृह उत्तर प्रदेश में और एक शीतगृह महाराष्ट्र में स्थापित है। वर्तमान में वाशी (मुम्बई)) स्थित शीतगृह को 03 वर्ष के लिए लीव एण्ड लाइसेन्स पर तथा चौबेपुर (कानपुर—नगर) स्थित शीतगृह को 10 वर्ष के लिये लीज पर दिया गया है। अन्य इकाइयॉ रूग्ण मशीनरी एवं संचालन में आर्थिकता न होने के कारण 15 वर्षो से बन्द हैं। विगत वर्षो की स्थिति अधोलिखित है :—

(धनराशि— करोड़ रुपये में)

| वर्ष | वार्षिक लक्ष्य | उपलब्धि | अभियुक्ति |
|---|---|---|---|
| 2016—2017 | 0.46 | 0.48 | |
| 2017—2018 | 0.49 | 0.49 | केवल 2 शीतगृह कार्यरत । |
| 2018—2019 | 0.48 | 0.12 | वर्तमान में केवल |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | ( जून, 2018 तक) | 2 शीतगृह कार्यरत है। |

8–वेयरहाउसिंग

उपलब्ध भण्डारण क्षमता एवं उपयोग की स्थिति (क्षमता– मै0टन में)

| वर्ष | कुल क्षमता | औसत क्षमता उपयोग | प्रतिशत क्षमता उपयोग | अभियुक्ति |
|---|---|---|---|---|
| 2016–2017 | 14,16,383 | 8,46,594 | 62.00 | |
| 2017–2018 | 14,17,833 | 8,67,915 | 56.00 | उर्वरक का व्यवसाय कम होने के कारण भण्डारण कम हुआ |
| 2018–2019 | 13,00,000 | 8,76,277 | 67.00 ( जून, 2018 तक) | |

भण्डारण शुल्क से आय

विभिन्न वर्षों में किराये हेतु निर्धारित लक्ष्य एवं उपलब्धि की स्थिति अधोलिखित हैः–

(धनराशि– करोड़ रु0 में)

| वर्ष | लक्ष्य | उपलब्धि | अभियुक्ति |
|---|---|---|---|
| 2016–2017 | 30.50 | 41.51 | |
| 2017–2018 | 35.00 | 24.50 | |
| 2018–2019 | 35.75 | 6.00 ( जून, 2018 तक) | |

कॉल सेन्टर

उ0प्र0 सरकार के ई–गर्वनेन्स कार्यक्रम के अन्तर्गत किसान भाईयों की समस्याओं के सीधे समाधान के लिए पीसीएफ में कॉल सेन्टर की स्थापना की गयी है, जिसका **टोल फ्री नम्बर 18001805551** पर शिकायत दर्ज कर किसानों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। यह सुविधा जनसाधारण के लिए पीसीएफ द्वारा निःशुल्क उपलब्ध करायी जा रही है।

**दूरभाष नॅ0 :- 0522-2635200, 2635434, 2635401,**
**ईमेल :- hq@uppcf.org**
**वेबसाइट :- www.uppcf.org**
**टोल फ्री नम्बर :- 18001805551**